Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-612

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2023

B.A. (with Yoga Science), Semester-VI
Sanskrit ; Paper : Second

साहित्यं धर्मशास्त्रं च

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. मध्यमव्यायोग के विषय में विस्तार से सश्लोक वर्णन करें।

2. अभिज्ञान शाकुन्तल के चतुर्थ अंक का सार अपने शब्दों में लिखें।

3. लोक संव्यवहार प्रवृत्ति ग्रन्थ के कोई तीन श्लोक व्याख्यापूर्वक लिखें।

4. अर्थ लिखें –

"क्रोधिनमेव क्रोधः प्रथमं ग्रसते परं च नैकान्तः।
स्वाश्रयमवश्यमग्निर्दहति तदन्यं तु नावश्यम्।।"

एवं

"उपलक्षयन्ति शीलं प्रायः सब्रह्मचारिणो जगतः।
सूक्ष्मां गतिमप्यम्भसि मत्स्यो मत्स्यस्य जानाति।।"

5. ब्राह्मण केशवदास जी के तीनों पुत्रों द्वारा घटोत्कच के विषय में वर्णित तीनों श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

खण्ड-ख

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. काव्य के प्रयोजन के विषय में सश्लोक वर्णन करें।

7. काव्य का हेतु तथा स्वरूप के विषय में प्रकाश डालें।

8. प्रसङ्गपूर्वक व्याख्या करें –

"युद्धप्रियाश्च शरणागतवत्सलाश्च, दीनेषु पक्षपतिताः कृतसाहसाश्च।
एवंविधप्रतिभया कृतिचेष्टितानां, दण्डं यथार्हमिह धारयितुं समर्थाः।।"

9. "निन्दितुमेव खलजनः साधून्जानाति सज्जनः स्तोतुम्।

शोषयति शिशिरसमयः कुसुमयति वसन्त एवं वनम्।।" – व्याख्या करें।

10. "अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे, दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा।
इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य, दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुस्सहानि।।" – व्याख्या करें।

11. "कलभदशनदंष्ट्रो लाङ्गलाकारनासः, करिवरकरबाहुर्नीलजीमूतवर्णः।
हुतहुतवहदीप्तो यः स्थितो भातिभीमः, त्रिपुरपुरनिहन्तुः शङ्करस्येव रोषः।।" – व्याख्या करें।

12. लोक संव्यवहार प्रवृत्ति पुस्तक में व्यवहार ज्ञान सम्बन्धित विषयों का विस्तृत वर्णन करें।

----------x----------